Title: Requested the Finance Minister to take steps to detect the fake notes of Rs.500 in the market.

श्री शिवराज सिंह चौहान (विदिशा) : माननीय अध्यक्ष महोदय, पाकिस्तान हमारे देश को तोड़ने का हर संभव प्रयत्न कर रहा है। कारगिल के युद्ध से बौखलाकर जहां एक तरफ वह आतंकवादी गतिविधियों का विस्तार कर रहा है, वहीं पांच सौ रुपये के जाली नोट भेज कर वह हमारे देश की अर्थव्यवस्था को चौपट करने का प्रयत्न कर रहा है। पिछले दिनों देश के कुछ हिस्सों में तथा कुछ बैंकों में पांच सौ रुपये के जाली नोट पकड़े गये। इसके कारण हमारी अर्थव्यवस्था तो चौपट हो ही रही है, साथ में सारे देश में एक भ्रम की स्थिति बन गई है। छोटे शहरों में व्यापारियों ने पांच सौ के नोट स्वीकर करने से इनकार कर दिया है। स्थिति इतनी खराब है कि कुछ बैंकों ने भी पांच सौ रुपये के नोट लेने से मना कर दिया है। जिसके कारण पूरे देश में एक भ्रम की स्थिति बन गई है।

अध्यक्ष महोदय. मैं आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि इस भ्रम की स्थिति समाप्त किया जाए तथा जाली नोटों का भारत में प्रवेश रोका जाए तथा जनता असली और नकली नोटों की कैसे पहचान करे, इसके बारे में सरकार कोई प्रभावी पहल करे। सरकार ने यह भी कहा है कि वह पांच सौ के नोटों की एक नई श्रंखला जारी कर रही है। इन सब चीजों के कारण देश में एक भ्रम की स्थिति बन गई है। बैंक भी पांच सौ के नोट अस्वीकार न करे और असली तथा नकली नोटों की पहचान के लिए वहां मशीन लगाई जानी चाहिए। वित्त मंत्री जी यहां बैठे हैं, मैं उनसे निवेदन करूंगा कि वह इस बारे में स्थिति स्पट करने की कृपा करे।

श्री श्याम बिहारी मिश्र : मान्यवर, यह बहुत उचित मांग है। सरकार इसके बारे में अखबारो में स्पटीकरण दे दे, ताकि जनता में फैला हुआ भ्रम समाप्त हो और बैंक भी पांच के नोट स्वीकार करें।

श्री रासा सिंह रावत (अजमेर) : मान्यवर, कई जगह बैंको में पांच सौ के नोट नहीं ले रहे हैं। गांवो में लोगों में भ्रम की स्थिति है।â€¦(व्यवधान)